‘सम्मान और सलाम फाउंडेशन’ द्वारा आयोजित समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(7 जुलाई 2022)

जय हिन्द!

इस सम्मान समारोह में उपस्थित माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी, केंद्रीय मंत्री श्री रामदास अठावले जी, ‘सम्मान और सलाम फाउंडेशन’ के पदाधिकारी गण और यहां उपस्थित महानुभावों !

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों के परिवार जनों को सम्मानित करनें के लिए इस सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर मैं सम्मान समारोह में उपस्थित वीर नारियों और शहीद परिवार के सदस्यों को नमन करता हूँ।

आज के इस समारोह में सिविल सेवा, पुलिस सेवा, पैरामिलिट्री और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और समाजसेवियों को विशेष रूप से COVID–19 महामारी के कठिन समय में सार्वजनिक सेवा के लिए सम्मानित किया जा रहा है,

इस कार्य के लिए मैं 'सम्मान और सलाम फाउंडेशन' और उनके पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ।

इस समारोह को प्रायोजित करने के लिए मैं पतंजलि समूह की सराहना करता हूँ और अपील करता हूँ कि इसी प्रकार अधिक से अधिक औद्योगिक समूह और संगठन शहीदों के परिवारों के मान, सम्मान और स्वाभिमान की सुरक्षा के लिए आगे आएं।

यह 'देवभूमि' उत्तराखंड 'वीरभूमि' भी है, यहां की लोक कथाओं में वीरता, साहस और शहादत की अनगिनत कहानियां हैं। उत्तराखंड के अनेक महापुरुषों ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लिया था। 'भारत रत्न' पंडित गोबिंद बल्लभ पंत, विश्व युद्ध के नायक 'विक्टोरिया क्रॉस' श्री गब्बर सिंह नेगी और श्री दरवान सिंह नेगी, मेजर सोमनाथ शर्मा, मेजर राजेश अधिकारी, परम वीर चक्र, कीर्ति चक्र, राइफलमैन जसवंत सिंह रावत जैसे नाम इस प्रदेश की वीरता और साहस के अतुलनीय उदाहरण हैं।

1962 के भारत–चीन संघर्ष के दौरान अपनी बहादुरी के लिए बाबा जसंवंत सिंह रावत जी की कहानी एक अलग ही प्रेरणा देती है। मैने स्वयं अरुणांचल प्रदेश में जहां उनकी समाधि है वहां सेवा की है और उनकी वीरता और चमत्कार की कहानियाँ सुनी हैं।

1999 के कारगिल युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उत्तराखंड के वीर सपूतों का अतुलनीय योगदान रहा है, इनमें राज्य के अनेक वीर योद्धाओं ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

उत्तराखंड के इस एक छोटे से राज्य से भारतीय सेना में बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी और वीर जवान हैं। उत्तराखंड की इस वीर भूमि ने अब तक जनरल बीसी जोशी और जनरल बिपिन रावत के रूप में भारतीय सेना को दो सेनाध्यक्ष दिये हैं, उनके योगदान को आज पूरा देश याद करता है।

इसी प्रकार नौसेना में भी एडमिरल डीके जोशी भारतीय सशस्त्र बलों में उत्तराखंड के योगदान का पर्याप्त प्रमाण हैं।

मेरे मिशन और विज़न में सैन्य परिवार, महिला सशक्तिकरण, रिवर्स माइग्रेशन, जैविक खेती जैसे विषय शामिल हैं और इन सब में सैन्य परिवारों और महिलाओं के जीवन की खुशहाली मेरी प्राथमिकताएं हैं।

मैं चाहता हूँ कि 'सम्मान और सलाम फाउंडेशन' से सीख लेते हुए अधिक से अधिक स्वयंसेवी संगठनों समाजसेवियों को वीर नारियों और शहीद परिवार के सदस्यों की भलाई के लिए आगे आना चहिए और ऐसे

बलिदानियों के परिजनों के जीवन में खुशहाली के लिए कार्य करना चाहिए।

मैं इस सैन्य प्रदेश के युवाओं से अपील करता हूँ कि वे बड़ी संख्या में सैन्य बलों में शामिल होने के लिए आगे आएं ताकि वीर भूमि का अधिक से अधिक गौरव बढ़े।

मैं राज्य के युवाओं से अग्निवीर के रूप में सशस्त्र बलों में शामिल होने का आह्वान करता हूँ। अग्निवीर योजना भारत की दिशा और दशा बलदने वाली एक महान् योजना है जो हमारे देश को सशक्त, समृद्ध और अजेय बना सकती है।

यह योजना साहसी और शिक्षित युवाओं के करियर निर्माण की दिशा में एक विशिष्ट अवसर प्रदान करती है।

सैन्य सेवा के बाद, दुनिया में सर्वश्रेष्ठ पेशेवर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रशिक्षित होने के कारण हमारे युवा किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूर्णतः निपुण होंगे।

मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से कह सकता हूँ कि सेना में सेवा के बाद सामाजिक जीवन में असाधारण करियर अवसर हैं। मेक इन इंडिया, स्टार्ट–अप इंडिया, एमएसएमई स्वच्छ भारत, जैसी सरकारी योजनाओं के

साथ ही उद्योग, विनिर्माण, सेवा और सरकारी नौकरियों में ऐसे अग्निवीरों की बहुत अधिक मांग होगी।

आज यहां सम्मानित आप सभी अधिकारियों, समाजसेवियों और अन्य पदाधिकारियों से आग्रह करता हूँ कि आप सभी राज्य और राष्ट्र की समृद्धि, खुशहाली और सम्मान के लिए और अधिक से अधिक मेहनत करें और इसी प्रकार से बढ़–चढ़ कर अपना योगदान दें।

मुझे बताया गया है कि सम्मान और सलाम फाउंडेशन ने दिल्ली, झारखंड, हिमाचल प्रदेश में इसी तरह के पुरस्कार समारोह आयोजित किए हैं। मैं इस तरह के आयोजनों के लिए फाउंडेशन' को बधाई देता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

एक बार फिर से आप सभी की सफलता और उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द !